सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ाने के हो उपाय : डॉ. महेश चन्द्र शर्मा

मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित हुई एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की बैठक

जयपुर मिड-डे टाइम्स

चित्तौड़गढ़/गंगरार (अमित कुमार चेचानी)। समाज में कई ऐसे तत्व सौहार्द बिगाड़ने में सफल हो जाते है, क्योंकि समाज के लोग किसी की कही गई बातों पर अध्ययन, मंथन व अनुसंधान नहीं करते और अफवाहों का शिकार हो जाते है। हमें सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ाने के अधिक से अधिक उपाय करने होंगे। स्वाध्याय, अध्ययन, मंथन के जरिये यह काम हम सभी कर सकते है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के मेवाड़ अध्याय द्वारा आयोजित हुई बैठक में प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. महे चन्द्र शर्मा ने कही। आगे उन्होने कहा कि इसके लिये हमें अध्ययन व मंथन पर लगातार लोगों को प्रेरित करने के प्रयास करने होंगे। पंचायती राज पर चर्चा करते हुऐ उन्होने कहा कि हमें पंचायती राज और ग्राम सभा को जन मुद्दे बनाने चाहिए। जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाना होगा। पंचायतीराज असल लोकतन्त्र का उदाहरण है क्योंकि वहां पर अधिक लोग निवास करते है। पृथकतावाद एवं आतंकवाद से दृढ़ता से निपटना होगा। सब को न्याय मिले और तुष्टिकरण किसी का ना हो, हमें ऐसी व्यवस्था करनी होगी। प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ओक गदिया ने कहा कि हमें समाज को एकात्मकता की ओर ले जाना होगा। सरकारें एक सीमित दायरे में ही कार्य करती है लेकिन समाज का दायरा असीमित है। हमें लगातार राष्ट्रहित एवं समाजहित में कार्य करते रहना चाहिए। बैठक की प्रस्तावना लक्ष्मण नारायण डाड ने दी। इसके पहले बैठक का आरम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर हुई। कुल तीन सत्रों में आयोजित इस संगोष्ठी में पंचायती राज, समरस ग्राम पंचायत, एक देश-एक चुनाव, संवैधानिक साक्षरता इत्यादि विषयों पर गम्भीर चर्चा हुई। पहला सत्र परिचय सत्र रहा। दूसरे सत्र में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विभाग प्रतिष्ठान के कार्यों एवं उसके उद्देश्यों पर चर्चा हुई। जिसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ावा देने के हेतु उपायों पर संकल्प किया गया। तीसरे सत्र में कार्यकर्ताओं ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। इस अवसर पर उदयपुर, भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ सम्भाग के कार्यकर्तागण एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित हुई एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की बैठक

सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ाने के हो उपाय-डॉ. महेश चन्द्र शर्मा

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़/गंगरार 03 अप्रैल (अमित कुमार चेचानी)। समाज में कई ऐसे तत्व सौहार्द बिगाड़ने में सफल हो जाते है, क्योंकि समाज के लोग किसी की कही गई बातों पर अध्ययन, मंथन व अनुसंधान नहीं करते और अफवाहों का शिकार हो जाते है। हमें सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ाने के अधिक से अधिक उपाय करने होंगे। स्वाध्याय, अध्ययन, मंथन के जरिये यह काम हम सभी कर सकते है। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के मेवाड़ अध्याय द्वारा आयोजित हुई बैठक में प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. महो चन्द्र शर्मा ने कही।

आगे उन्होने कहा कि इसके लिये हमें अध्ययन व मंथन पर लगातार लोगों को प्रेरित करने के प्रयास करने होंगे। पंचायती राज पर चर्चा करते हुऐ उन्होने कहा कि हमें पंचायती राज और ग्राम सभा को जन मुद्दे बनाने चाहिए। जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाना होगा। पंचायतीराज असल लोकतन्त्र का उदाहरण है क्योंकि वहां पर अधिक लोग निवास करते है। पृथकतावाद एवं आतंकवाद से दृढ़ता से निपटना होगा। सब को न्याय मिले और तुष्टिकरण किसी का ना हो, हमें ऐसी व्यवस्था करनी होगी।

प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ओक गदिया ने कहा कि हमें समाज को एकात्मकता की ओर ले जाना होगा। सरकारें एक सीमित दायरे में ही कार्य करती है लेकिन समाज का दायरा असीमित है। हमें लगातार राष्ट्रहित एवं समाजहित में कार्य करते रहना चाहिए। बैठक की प्रस्तावना लक्ष्मण नारायण डाड ने दी। इसके पहले बैठक का आरम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर हुई। कुल तीन सत्रों में आयोजित इस संगोष्ठी में पंचायती राज, समरस ग्राम पंचायत, एक देश-एक चुनाव, संवैधानिक साक्षरता इत्यादि विषयों पर गम्भीर चर्चा हुई। पहला सत्र परिचय सत्र रहा। दूसरे सत्र में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विभाग प्रतिष्ठान के कार्यों एवं उसके उद्देश्यों पर चर्चा हुई। जिसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ावा देने के हेतु उपायों पर संकल्प किया गया। तीसरे सत्र में कार्यकर्ताओं ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। इस अवसर पर उदयपुर, भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ सम्भाग के कार्यकर्तागण एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ाने के हो उपाय: डॉ. शर्मा

गंगरार। समाज में कई ऐसे तत्व सौहार्द बिगाड़ने में सफल हो जाते है, क्योंकि समाज के लोग किसी की कही गई बातों पर अध्ययन, मंथन व अनुसंधान नहीं करते और अफवाहों का शिकार हो जाते है। हमें सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ाने के अधिक से अधिक उपाय करने होंगे। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के मेवाड़ अध्याय द्वारा आयोजित हुई बैठक में प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. महेश चन्द्र शर्मा ने कही। कुलाधिपति डॉ. अशोक गदिया, लक्ष्मीनारायण डाड उपस्थित रहे।

सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ाने के उपाय हो: डॉ. शर्मा

>> एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की बैठक

चित्तौड़गढ़, 3 अप्रेल (कासं.)। समाज में कई ऐसे तत्व किसी की कही गई बातों पर अध्ययन, मंथन व अनुसंधान नहीं करते और अफवाहों का शिकार हो कर सौहार्द बिगाड़ने में सफल हो जाते है। हमें सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ाने के अधिक से अधिक उपाय करने होंगे। स्वाध्याय, अध्ययन, मंथन के जरिये यह काम हम सभी कर सकते है।

उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के मेवाड़ अध्याय द्वारा आयोजित हुई बैठक में प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. महेश चन्द्र शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि इसके लिये हमें अध्ययन व मंथन पर लगातार लोगों को प्रेरित करने के प्रयास करने होंगे। पंचायती राज पर चर्चा करते हुये उन्होंने कहा कि हमें पंचायती राज और ग्राम सभा को जन मुद्दे बनाने चाहिए। जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाना होगा। पंचायतीराज असल लोकतंत्र का उदाहरण है क्योंकि वहां पर अधिक लोग निवास करते है। पृथकतावाद एवं आतंकवाद से दृढ़ता से निपटना होगा। सब को न्याय मिले और तुष्टिकरण किसी का ना हो, हमें ऐसी व्यवस्था करनी होगी।

प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक गदिया ने कहा कि हमें

समाज को एकात्मकता की ओर ले जाना होगा। सरकारें एक सीमित दायरे में ही कार्य करती है, लेकिन समाज का दायरा असीमित है। हमें लगातार राष्ट्रहित एवं समाजहित में कार्य करते रहना चाहिए। बैठक की प्रस्तावना लक्ष्मण नारायण डाड ने दी।

बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कुल तीन सत्रों में आयोजित इस संगोष्ठी में पंचायती राज, समरस ग्राम पंचायत, एक देश-एक चुनाव, संवैधानिक साक्षरता इत्यादि विषयों पर गम्भीर चर्चा हुई। पहला सत्र परिचय सत्र रहा। दूसरे सत्र में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विभाग प्रतिष्ठान के कार्यों एवं उसके उद्देश्यों पर चर्चा हुई। जिसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन में अनुसंधान को बढ़ावा देने के हेतु उपायों पर संकल्प किया गया। तीसरे सत्र में कार्यकर्ताओं ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। इस अवसर पर उदयपुर, भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ सम्भाग के कार्यकर्तागण एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।